एक नजर में

बीए के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के गुलाबगंज में बीए प्रथम वर्ष के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की जानकारी मिलने पर युवक के परिजन और रिश्तेदार स्तब्ध है, कोई भी आत्मघाती कदम की वजह नहीं बता पा रहा है। विदिशा जिले की सिरोंज तहसील के ग्राम प्यासी निवासी 19 वर्षीय आशीष पुत्र परमाल सिंह चंदेल गुलाबगंज गुना में किराए का कमरा लेकर पढ़ाई कर रहा था। आशीष जेब खर्च के लिए हाट रोड पर स्थित एक फर्नीचर शोरूम पर भी नौकरी करता था। शुक्रवार शाम लगभग 5.30 बजे मकान मालिक को कुछ अनहोनी का आभास हुआ। पड़ताल करने पर पता चला कि आशीष ने कमरे में सफेद रंग की तौलिया से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली है। इस घटना की जानकारी तुरंत आशीष के परिजनों को भेजी गई, वे देर शाम ही गुना आ गए। आशीष के शव का पोस्टमार्टम शनिवार सुबह जिला अस्पताल में कराया गया है।

पुलिस ने किया 1.40 लाख का गांजा जब्त

गुना। फतेहगढ़ थाना पुलिस को अवैध मादक पदार्थ तस्करों पर बड़ी सफलता मिली है। फतेहगढ़ थाना प्रभारी उप निरीक्षक जय नारायण शर्मा और उनकी टीम ने 06 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 06 दिसंबर की सुबह, फतेहगढ़ थाने की एक पुलिस टीम सेनवोर्ड-हमीरपुर रोड़ स्थित पथरिया गांव के मोड़ पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान गुना तरफ से हीरो स्प्लेंडर मोटर साइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखे। पुलिस को देखते ही दोनों व्यक्ति घबरा गए और तुरंत मोटरसाइकिल वापस मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। संदेह होने पर पुलिस बल ने उनका पीछा कर घेराबंदी की और उन्हें पकड़ लिया।

जिला अस्पताल प्रबंधन का नागरिकों से दोहरा रवैया

तंबाकू पर सख्ती, जुर्माना भी, लेकिन प्रसूति वार्ड में अव्यवस्थाओं पर अनदेखी

नवभारत न्यूज

गुना 6 दिस. का। एक ओर जहां गुना जिला अस्पताल प्रबंधन ने परिसर में कोटपा कानून (सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003) का सख्ती से पालन करते हुए तंबाकू सेवन पर जुमार्ना लगाने का सराहनीय अभियान शुरू किया है, वहीं दूसरी ओर अस्पताल के सबसे संवेदनशील प्रसूति वार्ड की बदहाल अव्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजों और उनके अटेंडरों पर परिसर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी तो डाली जा रही है, लेकिन मरीजों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में उदासीनता दिखाई दे रही है। सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र सिंह रघुवंशी के निर्देश पर जिला अस्पताल परिसर में तंबाकू, गुटखा या बीड़ी-सिगरेट का सेवन करते पाए जाने पर 200 का जुर्माना लगाया जा रहा है। शनिवार को कई लोगों पर कोटपा कानून के तहत 200 का जुर्माना लगाया गया। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि नियमित निगरानी की जा रही है और बहसबाजी करने वालों को पुलिस के सुपुर्द किया जा सकता है। जुर्माने के साथ-साथ तंबाकू सेवन करते पकड़े गए लोगों को निकोटीन की निःशुल्क टेबलेट भी दी गईं, ताकि वे अपनी मादक पदार्थों की लत छोड़ सकें। प्रबंधन ने यह भी जानकारी दी है कि लत से परेशान लोगों के लिए जिला अस्पताल में निःशुल्क उपचार और परामर्श की सुविधा उपलब्ध है। यह पहल अस्पताल परिसर को स्वच्छ रखने और स्वास्थ्य मानकों का पालन कराने की दिशा में एक सही कदम है।

दूसरी ओर प्रसूति वार्ड की बदहाल हालतनहीं

जिला अस्पताल का मेटरनिटी केंद्र, जहां रोजाना 25 से अधिक डिलेवरी होती हैं, संसाधनों की कमी और अव्यवस्थाओं का शिकार है। यहां का प्रसूति वार्ड बद से बदत्तर स्थिति में है, जहां अटेंडरों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रसूता महिलाओं के साथ आए अटेंडरों के बैठने या रात गुजारने के लिए वार्ड में कोई जगह उपलब्ध नहीं है। अटेंडर छोटे से पलंग पर प्रसूता और बच्चे के साथ एक कोना संभालकर सोने के लिए मजबूर हैं। प्रसूता के पास बैठने के लिए स्टूल या कुर्सी जैसे जरूरी संसाधन तक प्रबंधन उपलब्ध नहीं करा पाया है। इस वार्ड में मरीजों के परिजनों के साथ बहस और यहां तक कि मारपीट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। भाजपा विधायक पन्नलाल शाक्य भी इस वार्ड की अव्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर चुके हैं। एक घटना में तो अस्पताल स्टाफ की पत्नी का प्रसव कथित तौर पर अस्पताल के बाहर ही हो गया, क्योंकि प्रसूति वार्ड से कोई मदद के लिए बाहर नहीं आया।

प्रबंधन का दोहरा मापदंड?

जिला अस्पताल प्रबंधन एक तरफ जहां कोटपा कानून का सख्ती से पालन कराते हुए अटेंडरों पर जुमार्ना लगाकर परिसर की स्वच्छता सुनिश्चित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सबसे महत्वपूर्ण प्रसूति वार्ड में अव्यवस्थाओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

अटेंडरों से साफ-सफाई की अपेक्षा करना सही है, लेकिन जब उन्हें बैठने या आराम करने के लिए बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं, तो यह अस्पताल प्रशासन की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है। तमाम अव्यवस्थाओं के बीच प्रसूता और उनके अटेंडर यहां 3 से 4 दिन गुजारने के लिए विवश हैं, और प्रबंधन तथा प्रशासन दोनों ही इस समस्या को हल करने में असहाय नजर आ रहे हैं।

दिव्यांगजनों की खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता संपन्न

गुना। विकास खण्ड बमोरी में निशक्तजनों की प्रतिभा और क्षमता को मंच देने के उद्देश्य से सामर्थ्य-2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद शिक्षा केंद्र एवं मंडी प्रांगण बमोरी में आयोजित इस विकास खण्ड स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में बमोरी विकास खण्ड के विभिन्न विद्यालयों से आए दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उनके साथ ब्रेल एवं सांकेतिक भाषा में प्रशिक्षित शिक्षकों ने भी कार्यक्रम में भागीदारी की। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद शिक्षा केन्द्र बमोरी के बी.आर.सी.सी. कोक सिंह पोर्सिया, संकुल प्रभारी एवं प्राचार्य परवाह विजय श्रीवास्तव और सह समन्वयक साक्षर भारत प्रधुम्न शर्मा द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित करने गुना पुलिस सतर्क

गुना। गुना पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के निर्देशन में जिले में कानून और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से गुना पुलिस द्वारा सामाजिक आयोजनों में सुव्यवस्था एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए सतत प्रभावी कार्यवाहियाँ और जन-जागरूकता आधारित पहल की जा रही है। इसी क्रम में, गत दिवस सीएसपी गुना प्रियंका मिश्रा और कैंट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव ने केंट थाना क्षेत्र में संचालित मैरिज गार्डन एवं डीजे संचालकों की एक अहम बैठक आयोजित की। बैठक में विवाह, सामाजिक और बड़े कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा, नियमों के अनुपालन और संभावित अव्यवस्थाओं की रोकथाम हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। संचालकों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक आयोजन स्थल पर मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा गार्ड/स्वयंसेवक की अनिवार्य तैनाती की जाए। साथ ही, मैरिज गार्डन, होटल एवं पार्किंग क्षेत्रों में नाइट विजन सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और उन्हें चालू स्थिति में रखना अनिवार्य होगा। आयोजकों को उनके कीमती सामान (नकदी, आभूषण) को सुरक्षित रखने की सलाह दी गई, और कार्यक्रम स्थल पर अनजान एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में, कैंट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव द्वारा थाना क्षेत्र के सिम कार्ड विक्रेताओं की बैठक भी ली गई, जिसमें साइबर अपराध रोकथाम और फर्जी मोबाइल सिम पर नियंत्रण से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। विक्रेताओं को निर्देश दिया गया कि एक से अधिक सिम लेने पर या दूसरे व्यक्ति की ओर से किसी अन्य की सिम निकलवाने की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। सिम बिक्री का रजिस्टर अनिवार्य रूप से संधारित करना होगा, और अनजान व्यक्ति को फोन-पे/यूपीआई के माध्यम से पैसा निकालकर न दें।

हेलमेट सुरक्षा अभियान जारी, शनिवार को 49 पर जुर्माना

गुना। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के दिशा-निर्देशन में जिले में विशेष सड़क सुरक्षा एवं यातायात अनुशासन अभियान व्यापक स्तर पर जारी है। इस अभियान के तहत, आज यातायात पुलिस ने पीजी कॉलेज के सामने चेकिंग पॉइंट लगाकर सख्त किंतु मानवीय दृष्टिकोण से कार्रवाई की। यातायात पुलिस द्वारा बिना हेलमेट वाहन चलाते पाए गए 49 चालकों से मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 14,700 रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में टीआई ट्रैफिक अजय प्रताप सिंह कुशवाह ने जन-हितकारी चेकिंग अभियान संचालित किया। चेकिंग के दौरान कॉलेज स्टाफ और छात्र-छात्राएं सहित कई दो-पहिया वाहन चालक बिना हेलमेट पाए गए। बिना हेलमेट पाए गए 49 चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 14,700 का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। यातायात पुलिस ने इस दौरान चालकों को केवल जुमार्ना ही नहीं लगाया, बल्कि उन्हें संवेदनशीलता के साथ जागरूक किया। हेलमेट केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि अपनों की सुरक्षा का वचन है।

गुना में होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह संपन्न

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने शनिवार को गुना स्थित होमगाड्र्स परेड ग्राउंड में आयोजित होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर सहभागिता की और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर उन्होंने होमगार्ड के जवानों के साहस, समर्पण और निस्स्वार्थ सेवा की प्रशंसा की। कलेक्टर कन्याल ने कहा कि विपदा के समय में होमगार्ड बहुत मेहनत करते हैं और यह देखकर प्रसन्नता होती है जब आप किसी की जान बचाते हैं। उन्होंने होमगाड्र्स की भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि प्रशासन आए दिन चुनौती देता है और इन चुनौतियों का सामना करने में होमगाड्र्स का सहयोग अमूल्य होता है। कलेक्टर ने विशेष रूप से 29 जुलाई को गुना में आई भीषण बाढ़ का उल्लेख किया। कलेक्टर ने भावुक होते हुए कहा कि उस समय होमगार्ड के जवानों ने कई लोगों की जान बचाई। उन्होंने बताया, बाढ़ के समय हमने सेना को बुला लिया था, लेकिन जब तक सेना आती, तब तक होमगार्ड अपना काम कर चुका था, अधिकांश लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से बाहर निकाल लिया गया था। कलेक्टर ने स्वीकार किया कि होमगार्ड गुना के पास स्टाफ की कमी है, जिसके कारण उनकी चुनौतियाँ और भी ज्यादा हैं, लेकिन इसके बावजूद वे असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि होमगार्ड केवल राहत कार्य ही नहीं करते, बल्कि नागरिकों को भी ट्रेनिंग देते हैं, जिससे आपदा के समय उनका मनोबल बढ़ता है और एक-दूसरे के सहयोग का दौर मजबूती से चलता रहता है। कलेक्टर ने होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा संगठन को उनके समर्पण और उत्कृष्ट सेवा के लिए बधाई दी।

पीजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ मारपीट

नवभारत न्यूज

गुना। पीजी कॉलेज गुना में सहायक प्राध्यापक डॉ. रानी मुगल के आरोन स्थित घर पर कब्जा करने और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोन निवासी डॉ. रानी मुगल ने पहले आरोन थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन सही कार्रवाई न होने पर शनिवार को उन्होंने गुना एसपी अंकित सोनी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार, डॉ. रानी मुगल ने आरोन में 50 लाख का होम लोन लेकर अपना घर बनाना शुरू किया था। उन्होंने यह घर बनाने का काम ठेके पर एक व्यक्ति को दिया था। आरोप है कि ठेकेदार ने निर्माण के दौरान आसपास के लोगों से यह कहना शुरू कर दिया कि यह उसका निजी घर है और वह अपना घर बना रहा है। शिकायत के मुताबिक, ठेकेदार ने एक बार घर में भंडारा भी आयोजित कर दिया था, जिसमें डॉ. रानी मुगल ने धार्मिक आधार पर सहयोग किया था। बाद में, जिस व्यक्ति ने घर बनाया था, उसने डॉ. रानी मुगल का यह मकान किराए पर भी ले लिया था। हाल ही में, घर बनाने वाले उस व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद उसके परिजन अब डॉ. रानी मुगल के घर पर कब्जा करने के लिए उतारू हैं। डॉ. रानी मुगल का आरोप है कि इसी विवाद को लेकर शुक्रवार को आरोपी शिवकुमार साहू, गिरवर साहू और दो अन्य लोगों ने उनके साथ बुरी तरह मारपीट की। वह बुरी तरह जख्मी हुई हैं, उनके सिर पर 4 टांके भी आए हैं। इस घटना के बाद, डॉ. रानी मुगल ने आरोन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

नगरपालिका ने दो दिनों से आतंक का पर्याय बने सांड का किया रेस्क्यू

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में आतंक का पर्याय बन चुके एक आवारा और मानसिक विक्षप्त सांड को आखिरकर रेस्क्यू कर लिया गया है। इस आवारा मवेशी का आतंक इतना था कि इसे काबू करने में नगरपालिका और पशु चिकित्सा विभाग की टीम को दो दिनों का समय लग गया। दरअसल, गुना के नई सड़क, छोटी मस्जिद गली, सराफा और जयस्तंभ चौराहा क्षेत्र में एक आवारा सांड ने आतंक बरपाया हुआ था। लोगों का कहना था कि सांड का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। इसकी पुष्टि पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने भी कर दी थी। इसके बाद सबसे पहले शुक्रवार को आवारा सांड के रेस्क्यू की प्रक्रिया शुरु हुई। सबसे पहले इस मवेशी को वार्ड क्रमांक 15 में पकड़ा गया था। पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने सांड को बेहोशी के 3-3 इंजेक्शन लगाए, इसके बावजूद उसे काबू नहीं किया जा सका और वह भाग निकला। हालांकि शनिवार को एक बार फिर दोनों ही महकमों की टीम ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया और जयस्तंभ चौराहा इलाके में सांड की मौजूदगी सामने आने पर उसे रेस्क्यू कर लिया गया है। नगरपालिका अब इस आवारा मवेशी को शहर के बाहर जंगल में छोड़ रही है। बता दें कि गुना शहर के खासकर व्यवसायिक क्षेत्रों में आवारा मवेशियों का आतंक है।

मीनाक्षी अस्पताल प्रबंधन को बेवजह किया जा रहा है परेशान

नवभारत न्यूज

गुना। मीनाक्षी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश सिंह कुशवाहा ने शनिवार को मीडिया के सामने आकर उन आरोपों पर अपना पक्ष रखा, जो 77 वर्षीय पुष्पलता जैन पत्नि राजेंद्र कुमार जैन के उपचार को लेकर उनके परिजनों द्वारा लगाए जा रहे हैं।

डॉ. कुशवाहा ने बताया कि मरीज के दो ऑपरेशन किए गए थे, क्योंकि उनका कूल्हा गंभीर रूप से टूट गया था। स्थिति पूरी तरह जटिल थी और उपचार के सिर्फ 50 प्रतिशत सफल होने की आशंका ही बताई गई थी, जिसकी जानकारी ऑपरेशन से पहले परिजनों को विस्तार से दी गई थी। डॉक्टर के अनुसार, हमने सारी स्थिति समझाई थी और परिजनों से लिखित सहमति भी ली गई थी। मरीज की स्थिति को देखते हुए रॉड डालकर हड्डी को स्थिर किया गया था। चिकित्सक ने बताया कि ऑपरेशन के लगभग 6 महीने बाद मरीज ने शिकायत की कि रॉड का स्क्रू ढीला लग रहा है। इस पर दवा दी गई थी और हालत पर निगरानी रखी जा रही थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी दो बार हड्डी को अपनी जगह पर बैठाया गया था, क्योंकि चोट बेहद जटिल थी। डॉ. कुशवाहा का कहना है कि इसके बावजूद मरीज के परिजन लगातार झूठी शिकायतें कर रहे हैं और गलत जानकारी मीडिया में फैलाकर अस्पताल की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मरीज का बेटा अब आरोप लगा रहा है कि ह्लहमारी मां को विकलांग बना दिया गयाह्व, जबकि डॉक्टर के अनुसार यह आरोप निराधार है और चोट की प्रकृति पहले ही परिजनों को समझाई जा चुकी थी। उन्होंने बताया कि हम इतने प्रताड़ित हो गए हैं कि इस पूरे प्रकरण की जानकारी कलेक्टर तक पहुंचानी पड़ी। अस्पताल को बदनाम किया जा रहा है, जबकि हमने हर बार मरीज के परिजन को पूरी जानकारी दी है। डॉ. कुशवाहा ने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग शिकायतों के आधार पर समय-समय पर अस्पताल को पत्र जारी करता है, जिस पर उन्होंने उच्च स्तरीय जांच के लिए सहमति दे दी है। डॉक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन जैसी व्यवस्था का मजाक उड़ाया जा रहा है और निरंतर बेबुनियाद शिकायतें की जा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि वह किसी भी जांच के लिए तैयार है और पूरी पारदर्शिता के साथ अपनी बात रखेगा।

आग धुआं बढ़ने के बाद खुली नींद, नहीं पहुंच सकी फायर ब्रिगेड

नवविवाहित दंपति के मकान में भीषण आग, लाखों का सामान राख

नवभारत न्यूज

गुना। चौधरी मोहल्ला स्थित एक किराए के कच्चे मकान में शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात करीब 2 बजे अचानक भीषण आग लग गई। इस दुर्घटना में करीब 10 महीने पहले शादी के बंधन में बंधे रामदास अहिरवार और उनकी पत्नी गंगा अहिरवार बुरी तरह झुलस गए। आग से शादी का पूरा दहेज, जेवरात, राशन और नगदी सहित लगभग 3 से 4 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, रामदास अहिरवार अपनी पत्नी गंगा के साथ चौधरी मोहल्ला में किराए के मकान में रह रहे थे। रात्रि करीब 2 बजे अचानक गद्दा जलने से पूरे मकान में धुआँ फैल गया। धुआँ और घुटन महसूस होने पर पत्नी गंगा अहिरवार की नींद खुल गई। देखते ही देखते आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि समय रहते दंपति को बाहर निकाला जा सका। आग की चपेट में आने से रामदास अहिरवार का चेहरा बुरी तरह झुलस गया, जबकि उनकी पत्नी गंगा अहिरवार भी झुलस गई हैं। दोनों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। आग इतनी भीषण थी कि अगर समय पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह पड़ोस के मकानों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी और एक बड़ा हादसा हो सकता था। एक पड़ोसी ने तत्परता दिखाते हुए पड़ोसी के ट्यूबवेल को चालू कर दिया और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

फायर ब्रिगेड न आई, न आ सकती थी

पीड़ित दंपति और स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के बाद तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया था, लेकिन फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुँची। हालांकि, बताया जा रहा है कि रामदास अहिरवार के घर तक संकरे रास्ते के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ी का पहुँचना मुश्किल भी था। आग लगने का स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके का मुआयना किया और पंचनामा बनाया। इस हादसे में रामदास और गंगा अहिरवार के वैवाहिक जीवन का सारा सामान, जिसमें शादी के जेवरात और दहेज शामिल था, जलकर खाक हो गया, जिससे दंपति को भारी आर्थिक नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

अंग्रेजी शराब सहित दो तस्कर गिरफ्तार

गुना। एसपी अंकित सोनी के निर्देशन में अवैध शराब और मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुना जिले की धरनावदा पुलिस ने एक कार्रवाई करते हुए 24 लाख रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त करते हुए दो तस्करों को भी दबोच लिया है। पुलिस का दावा है कि शुक्रवार शाम धरनावदा थाने को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हाईवे पर गुना से रूठियाई की ओर जा रहे ट्रोलर ट्रक में भारी मात्रा में अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही टीम ने हाईवे पर नाकाबंदी की। पुलिस को देखकर ट्रक चालक ने पुलिस को कट मारा और तेज गति से भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया, जिसके बाद पुराने ए.बी. रोड़ पर ग्राम रानीपुरा की पुलिया के नीचे रास्ता बंद होने पर चालक ने ट्रक रोक लिया। ट्रक से उतरकर भागे चालक और क्लीनर को पुलिस फोर्स ने दौड़कर, गिरते-उठते बमुश्किल पकड़ लिया। पुलिस ने इस मामले में ट्रोलर चालक रितिक कटारा और क्लीनर सूरज वसोनिया को गिरफ्तार किया है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे का गुना आगमन

नवभारत न्यूज

गुना। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष और ग्वालियर संभाग के संगठन प्रभारी, डॉ. निशांत खरे का नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। सर्किट हाउस में नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता और वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद गुप्ता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं पट्टिका पहनाकर उनका आत्मीय अभिनंदन किया।

इस दौरान नपा अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता ने डॉ. खरे से संगठन संबंधी और वर्तमान में चल रहे एस.आई.आर. कार्य के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया और उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, गुना विधायक पन्नालाल, पूर्व मंत्री गोपीलाल, पूर्व विधायक राजेंद्र सलूजा, पूर्व जिलाध्यक्ष हरी सिंह यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोविंद राठी, वरिष्ठ नेता नीरज निगम, अरुण चतुर्वेदी, सूर्यप्रकाश तिवारी, आलोक विजयवर्गीय, पूर्व नपा अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, गिरराज भार्गव, नगर मंडल अध्यक्ष अर्जुन राजपूत, बूढ़े बालाजी मंडल अध्यक्ष परेश भार्गव, महिला मोर्चा अध्यक्ष राजेश राजपूत और युवा मोर्चा अध्यक्ष वीरेंद्र धाकड़ सहित पार्टी के कई कार्यकताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।